RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-03 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 24 जनवरी से 30 जनवरी 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

कॉलेजियम पर सुप्रीम कोर्ट Vs सरकार

रॉ और आईबी की रिपोर्ट्स सार्वजनिक करने पर रिजिजू बोले- इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा

जजों की नियुक्ति को लेकर बनाए गए कॉलेजियम पर सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार के बीच तल्खी बढ़ती जा रही है। कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को देश की खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट्स को सार्वजनिक करने पर कहा- यह देश की सुरक्षा के लिए खतरा है।

रिजिजू ने कहा- इंटेलिजेंस ब्यूरो (ढ्ढक्च) और रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (क्रड्ड) की संवेदनशील रिपोर्ट के कुछ हिस्से सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा सार्वजनिक डोमेन में डाल दिए गए। खुफिया एजेंसी के अधिकारी देश के लिए गुप्त तरीके से काम करते हैं और अगर उनकी रिपोर्ट सार्वजनिक की जाती है तो वे भविष्य में इसे लिखने पर दो बार सोचेंगे। यह गंभीर चिंता का विषय है।

रॉ-आईबी की रिपोर्ट्स को लेकर विवाद क्यों?

दरअसल, यह मामला समलैंगिक वकील सौरभ कृपाल से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम कृपाल को दिल्ली हाईकोर्ट में नियुक्त करना चाहता है, लेकिन केंद्र ने कृपाल के नाम पर आपत्ति दर्ज कराई थी। केंद्र ने इसके लिए खुफिया एजेंसी रॉ-आईबी की रिपोर्ट का हवाला दिया था। इसमें समलैंगिक वकील सौरभ कृपाल के विदेशी पार्टनर को लेकर सवाल खड़ा किया गया है।

लेकिन कॉलेजियम ने इन एजेंसियों की आपत्तियों को खारिज कर दिया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते पहली बार जजों के बारे में दी गईं केंद्र की आपत्तियों और रॉ-आईबी की रिपोर्ट्स को सार्वजनिक कर दिया था। तब रिजिजू ने कहा था कि यह एक गंभीर चिंता का विषय है, जिस पर मैं उचित समय पर प्रतिक्रिया दूंगा।

खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट्स में क्या था?

खुफिया एजेंसी रॉ ने समलैंगिक वकील सौरभ कृपाल के विदेशी पार्टनर को लेकर सवाल उठाया था। सौरभ कृपाल के पार्टनर निकोलस जर्मेन वाकमैन स्विस नागरिक हैं। वह स्विस दूतावास में काम करते हैं। केंद्र सरकार इसी बात को लेकर सौरभ कृपाल की नियुक्ति पर आपत्ति जता रही है।

लखनऊ में भूकंप की वजह से गिरी पांच मंजिला इमारत! अब तक 11 लोग मलबे से निकाले गए

यूपी की राजधानी लखनऊ में मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया. यहां वजीर हसन रोड पर पांच मंजिला इमारत भरभराकर गिर गई. मलबे से 11 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है. साथ ही 30 से 35 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है. घटनास्थल पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौजूद हैं.

यूपी की राजधानी लखनऊ में मंगलवार की शाम बड़ा हादसा हो गया. वजीर हसन रोड पर पांच मंजिला इमारत भरभराकर गिर गई. मलबे में 30 से 35 लोगों के दबे होने की आशंका है.जबकि 11 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है. हादसे की सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम को दी गई. इसके साथ ही डिप्टी सीएम बृजेश पाठक भी मौके पर पहुंच गए हैं. बताया जा रहा है कि ये हादसा भूकंप की वजह से हुआ है. दरअसल, आज दिन नेपाल से लेकर भारत तक भूकंप के झटके महसूस किए गए थे. इस प्राकृतिक आपदा के कुछ घंटे बाद ही लखनऊ में ये हादसा हो गया.

आजतक से बात करते हुए डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने बताया कि 11 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है. फिलहाल कोई हताहत नहीं हुआ है. इमारत अचानक से भरभराकर गिर गई थी. मौके पर हृष्ठक्रस्न, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें हैं. हम कोशिश कर रहे हैं कि लोगों को सुरक्षित बचा लिया जाए.

वहीं एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सीएम योगी आदित्यनाथ ने हादसे का संज्ञान लिया और मौके पर हृष्ठक्रस्न और स्ष्ठक्रस्न की टीमें भेजने के निर्देश दिए. सीएम योगी ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घायलों को बेहतर इलाज के इंतजाम किए जाएं, साथ ही कहा कि वह घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था करें. सीएम ने कई अस्पतालों को भी अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं.

नीतीश कुमार कमजोर हो रहे... बीजेपी में शामिल होने की अटकलों के बीच बोले उपेंद्र कुशवाहा

जनता दल यूनाइटेड संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा लगातार ऐसी बयानबाजी कर रहे हैं, जिनसे यह साफ तौर पर दिख रहा है कि उनके और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ सब कुछ ठीक नहीं चल रहा. इतना ही नहीं उपेंद्र कुशवाहा के बीजेपी में शामिल होने की भी अटकलें लगाई जा रही हैं. इन अटकलों के बीच उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि हाल के दिनों में नीतीश कुमार कमजोर हुए हैं. इससे जदयू कमजोर हो रही है. उधर, नीतीश कुमार से जब उपेंद्र कुशवाहा को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, हम से कुछ मत पूछिए.

उपेंद्र कुशवाहा ने कहा, राजनीतिक रूप से जब जब नीतीश कुमार कमजोर हुए हैं, हमने उनको सहयोग करने का काम किया. इतना ही नहीं उन्होंने कहा, आज कुछ लोग उपेंद्र कुशवाहा को गाली दे रहे हैं, लेकिन इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता. उन्होंने राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग नीतीश कुमार को कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं.

सम्पादकीय

हिंसक होते बच्चे

किसी भी समाज में पनपती हिंसक प्रवृत्ति चिंता का विषय होती है, चाहे उसे अंजाम देने वाला तबका कोई भी हो।

पर अगर कम उम्र के कुछ बच्चे भी मामूली बात पर हिंसक होने लगें, यहां तक कि जानलेवा हमला और हत्या तक करने लगें, तो इसे गंभीर चेतावनी के तौर पर देखा जाना चाहिए। दरअसल, पिछले दिनों ऐसी कई घटनाएं सामने आईं, जिनमें किसी किशोर ने मामूली बात पर किसी की जान ले ली।

लेकिन दिल्ली के मैदानगढ़ी इलाके में जिस तरह बारहवीं कक्षा के एक छात्र को दो नाबालिगों ने महज मोबाइल छीनने का विरोध करने पर चाकू से मार डाला, उसे सिर्फ इक्का-दुक्का घटना मान कर नजरअंदाज करना शायद ठीक नहीं होगा। आरोपी नाबालिगों ने छात्र का गला रेत दिया और उसकी मौत के बाद तेजाब से उसका चेहरा भी जलाने की कोशिश की।

यह किसी पेशेवर अपराधी की तरह की हरकत है, जिसमें हत्या और फिर पकड़े जाने से बचने के लिए सबूत मिटाने का प्रयास किया गया। अगर पुलिस ने उस इलाके के सीसीटीवी फुटेज को नहीं खंगाला होता, तो शायद आरोपियों को पकड़ना भी मुश्किल होता। सवाल है कि जिस उम्र में बच्चे कोमल भावनाओं के दौर से गुजर रहे होते हैं, उसमें कुछ के भीतर इस तरह की हिंसक प्रवृत्ति कैसे घर कर जाती है!

हाल ही में दिल्ली के एक स्कूल में तीन छात्रों ने मिल कर एक शिक्षक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। कारण बस इतना था कि शिक्षक ने छात्रों को स्कूल की वर्दी को लेकर डांटा था। नाबालिगों का आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होना कोई नई बात नहीं है, मगर पिछले कुछ समय से ऐसी घटनाएं देखी जा रही हैं, जिनमें मामूली बात पर हुए विवाद पर किसी किशोर ने खुद या अपने साथियों के साथ मिल कर अन्य साथी बच्चे को बुरी तरह मारा-पीटा या फिर उसकी हत्या कर दी।

कोई समाज अगर दिनोंदिन सभ्य और अहिंसक होने की ओर बढ़ता है, तो उसकी नई पीढ़ी भी यही रास्ता अख्तियार करती है। मगर आज ऐसे हालात क्यों सामने आ रहे हैं, जिनमें किशोरों के बीच हिंसक प्रवृत्ति बढ़ती देखी जा रही है। इसमें कोई दो राय नहीं कि वक्त के साथ होने वाले बदलाव से संतुलन बिठाना जरूरी होता है, लेकिन बदलाव की रफ्तार और उसका दायरा क्या ऐसा हो सकता है कि उससे संतुलन बिठाने के क्रम में समाज का सबसे नाजुक हिस्सा ही असंतुलित होने लगे?

किशोरावस्था उम्र का एक जटिल पड़ाव होता है, जिससे गुजरते बच्चे कई तरह की उथल-पुथल का सामना कर रहे होते हैं। ऐसे में अगर समाज और सरकार के स्तर पर ऐसी व्यवस्था बनाने में कोताही की जाती है तो उसका खमियाजा भावी पीढ़ियों को भुगतना पड़ता है। एक ओर, बहुत सारे परिवारों को रोजमर्रा की जरूरतें पूरा करने के लिए जद्दोजहद करना पड़ता है और ऐसे में कुछ बच्चे अभाव और उपेक्षा का शिकार होकर गलत रास्ता अख्तियार कर लेते हैं, तो वहीं आधुनिक तकनीकी के नए-नए यंत्रों, गैरजरूरी और विकृति पैदा करने वाली सामग्री के बीच पलते कुछ किशोर असंतुलन का शिकार होकर अपराध की ओर भी बढ़ जाते हैं।

ऐसे में जो कानूनी कार्रवाई निर्धारित है, उसे सुनिश्चित करने के अलावा बच्चों के कोमल मन-मस्तिष्क के अनुकूल माहौल निर्मित करने की जरूरत है, ताकि भावी पीढ़ियों को इंसानियत, सभ्यता और संवेदनशीलता की सीख मिल सके। अन्यथा अभाव या फिर सुविधाओं की अतिशयता की वजह से दिशाहीन हुए बच्चे समाज या देश के लिए एक गंभीर समस्या बनेंगे।

संपादक
गोपाल गावंडे

सुशासन में नैतिकता की जगह

देश तभी ऊंचाई को प्राप्त करता है, जब पूरी व्यवस्था आचार नीति का पालन करती हो।

जब यह महज कागजी नहीं होती, बल्कि लोगों के स्नायुतंत्र में बस चुकी होती है। जिम्मेदारी और जवाबदेही आचार नीति के अभिन्न अंग हैं और यही सुशासन का पैमाना भी है। आचार नीति एक बहुआयामी मानक है, इसलिए यह दायित्वों के बोझ को आसानी से सह लेती है। अगर दायित्व बड़े हों और आचरण के प्रति गंभीरता न हो, तो जोखिम बड़ा होता है।

एक सक्षम प्रशासक में निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा के साथ पारदर्शिता हो तभी सुशासन सुनिश्चित होता है। सिविल सेवकों के लिए आचार संहिता, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और अनेक प्रशासनिक कानूनों के जरिए नैतिकता को सबल बनाने का प्रयास किया गया है, पर इसकी क्या कसौटी हो, इसे भी देखना आवश्यक है।

मैक्स वेबर ने अपनी पुस्तक 'सामाजिक-आर्थिक प्रशासन' में कहा था कि नौकरशाही प्रभुत्व स्थापित करने से जुड़ी एक व्यवस्था है, जबकि अन्य विचारकों यह राय रही है कि यह सेवा की भावना से युक्त एक संगठन है। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस्पाती ढांचे वाली नौकरशाही बीते तीन दशकों से प्लास्टिक फ्रेम वाली सिविल सेवक बन गई है। ऐसा 1991 के उदारीकरण के बाद से देखा जा सकता है। मगर क्या नैतिकता के इस पड़ाव पर आचार नीति के मामले में विधायिका सफल कही जाएगी।

संसद हो या विधानसभा, दागी सांसदों और विधायकों की फेहरिस्त लगातार लंबी होती जा रही है। जाहिर है, आचार संहिता केवल सिविल सेवकों के लिए नहीं, उन तमाम कार्यकारियों के लिए व्यापक रूप में होनी चाहिए, जो राष्ट्र और राज्य में ताकतवर और वैधानिक सत्ता से पोषित हैं। नए वातावरण में कम से कम यह बात आ जानी चाहिए कि नई लोकसेवा के साथ संसद और विधानमंडल का पारिस्थितिकी तंत्र नए नैतिक आचरण से युक्त हो।

स्पेन की सुशासनिक संहिता दुनिया में सबसे अधिक प्रखर रूप में दिखती है। उसमें निष्पक्षता, तटस्थता और आत्मसंयम से लेकर जनसेवा के प्रति समर्पण समेत पंद्रह अच्छे आचरण के सिद्धांत निहित हैं। आचार नीति मानव चरित्र और आचरण से संबंधित है। यह सभी प्रकार के झूठ की निंदा करती है। चुनाव के दिनों में तो आदर्श चुनाव आचार संहिता राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों पर लागू हो जाती है।

मौजूदा समय में पूर्वोत्तर के तीन राज्यों- मेघालय, त्रिपुरा और नगालैंड में चुनावी बिगुल बज चुका है और नैतिकता के साथ आचरण नीति की आवश्यकता एक बार फिर इन छोटे राज्यों में प्रवेश कर रही है। निर्वाचन आयोग कितना सफल रहेगा और चुनावी होड़ में शामिल राजनेता आचार संहिता में कितने सहयोगी बनेंगे, यह समय बताएगा।

द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग ने आचार संहिता पर अपनी दूसरी रिपोर्ट में शासन में नैतिकता से संबंधित कई सिद्धांतों को उकेरा था। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था कि भ्रष्टाचार जैसी बुराइयां कहां से उत्पन्न होती हैं? ये कभी न खत्म होने वाले लालच से आती हैं। भ्रष्टाचार मुक्त नैतिक समाज के लिए इस लालच के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी और 'मैं क्या दे सकता हूं' की भावना से इस स्थिति को बदलना होगा।

देश तभी ऊंचाई को प्राप्त करता है, जब पूरी व्यवस्था आचार नीति का पालन करती हो। जब यह महज कागजी नहीं होती, बल्कि लोगों के स्नायुतंत्र में बस चुकी होती है। जिम्मेदारी और जवाबदेही आचार नीति के अभिन्न अंग हैं और यही सुशासन का पैमाना भी है। आचार नीति एक बहुआयामी मानक है, इसलिए यह दायित्वों के बोझ को आसानी से सह लेती है। अगर दायित्व बड़े हों और आचरण के प्रति गंभीरता न हो, तो जोखिम बड़ा होता है।विभिन्न देशों ने समय-समय पर अपने मंत्रियों, विधायकों और सिविल सेवकों के लिए नैतिक संहिता निर्धारित किया है। अमेरिका में यह मंत्री संहिता, संयुक्त राष्ट्र सीनेट में आचार संहिता और कनाडा में मंत्रियों के लिए मार्गदर्शन है। भारत सरकार ने एक आचार संहिता निर्धारित की है, जो केंद्र और राज्य सरकार, दोनों के मंत्रियों पर लागू होती है।इनमें कई अन्य बातों के साथ मंत्रियों द्वारा अपनी संपत्ति और देनदारियों का खुलासा करने साथ ही सरकार में शामिल होने से पहले जिस किसी भी व्यवसाय में थे, उससे स्वयं को अलग करने के अलावा स्वयं या परिवार के किसी सदस्य आदि के मामले में कोई योगदान या उपहार स्वीकार न करने की बात कही गई है। मगर जब नैतिकता के पैमाने पर सुशासन को कसा जाता है, तो ये बातें काफी अधूरी दिखती हैं। इसकी बड़ी वजह आचार संहिता के अनुपालन में कमी है। राजनीतिक प्रक्रिया का अपराधीकरण तथा राजनेताओं, लोक सेवकों और व्यावसायिक घरानों के बीच अपवित्र गठजोड़, लोकनीति के निर्धारण और शासन पर घातक असर डालता है।

भारत के लोकतांत्रिक शासन को ज्यादा गंभीर खतरा अपराधियों और बाहुबलियों से है, जो राज्य की विधानसभाओं और देश की लोकसभा में अच्छी-खासी जनसंख्या में घुसने लगे हैं। अब तो ऐसा लगता है कि एक ऐसी राजनीतिक संस्कृति अपनी जड़ें जमा रही है, जिसमें संसद या विधानसभा की सदस्यता को निजी फायदे और आर्थिक लाभ के अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

इसे व्यापक रूप में देखें तो सुशासन और आचरण नीति दोनों घाटे में दिखते हैं। बावजूद इसके आचार नीति और उसके पारिस्थितिकी तंत्र को प्राप्त करने का भरोसा नहीं छोड़ा जा सकता। विविध भाषाभाषी और संस्कृति से युक्त भारत भावना और संस्कृति से भरा है, मगर विश्वसनीयता और दक्षता के साथ ईमानदारी पर संशय भी उतना ही बरकरार रहता है कि जिन्हें जिम्मेदारी मिली है, क्या वे पूरा न्याय करते हैं।

नेता कौन होता है, उसके गुण और जिम्मेदारियां क्या होती हैं, एक समुदाय, समाज या राष्ट्र में समृद्धि, आर्थिक उन्नति स्थायित्व, शांति और सद्भाव आदि कैसे विकसित हों, यह नेतृत्व को समझना होता है। देखा जाए तो नेतृत्व मुख्य रूप से बदलाव का प्रतिनिधित्व होता है और उन्नति उसका उद्देश्य। मात्र लोगों की आकांक्षाओं को ऊपर उठाना, सत्ता हथियाना और नैतिकताविहीन होकर स्वयं का शानदार भविष्य तलाशना न तो नेतृत्व की श्रेणी है और न तो यह आचार नीति का हिस्सा है।

लोक प्रशासन में नैतिकता के पारितंत्र को परिभाषित करने के लिए विभिन्न कानूनों, नियमों और विनियमों के माध्यम से इसे व्यापक रूप दिया गया है। 1930 के दशक में ब्रिटिश सिविल सेवकों के लिए 'क्या करें और क्या न करें' निर्देशों का एक संग्रह जारी किया गया था। स्वतंत्रता के बाद भी आचार नीति का निर्माण इसी का हिस्सा था।

संविधान में कामकाज की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय आयोग द्वारा 2001 में प्रशासन में ईमानदारी को लेकर जारी परामर्शपत्र में कई विधायी और संस्थागत मुद्दों पर प्रकाश डाला गया था। गौरतलब है कि सुशासन, विश्वास और भरोसे पर टिका होता है। शासन में ईमानदारी, सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही, पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा का सुनिश्चित होना सुशासन की गारंटी है। सुशासन के चलते ही आचार नीति को भी एक आवरण मिलता है।संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2003 में भ्रष्टाचार के खिलाफ संकल्प को मंजूरी दी। ब्रिटेन में सार्वजनिक जीवन में मानकों पर समिति बनाई गई, जिसे नोलान समिति के नाम से जाना जाता है। उसमें सात मुख्य बातें- निस्वार्थता, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, जवाबदेही, खुलापन, ईमानदारी और नेतृत्व- शामिल थीं। देश में संस्थागत और कानूनी ढांचा कमजोर नहीं है, दिक्कत इसके अनुपालन करने वाले आचरण में है।केंद्रीय सतर्कता आयोग, सीबीआइ, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, लोकपाल और लोकायुक्त जहां सुशासन स्थापित करने के संस्थान हैं, वहीं भारतीय दंड संहिता, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और सूचना के अधिकार समेत कई कानून देखे जा सकते हैं। मगर सुशासन के लिए एक ऐसी आचार संहिता की जरूरत है, जो संस्कृति, पर्यावरण तथा स्त्री पुरुष समानता को बढ़ावा देने के अलावा आत्मसंयम और सत्यनिष्ठा के साथ निष्पक्षता पर बल देती हो। यह सच है कि जनता और मीडिया मूकदर्शक नहीं है, न्यायिक सक्रियता भी बढ़ी है। बावजूद इसके, यह सवाल बना हुआ है कि लोकतंत्र के प्रवेश द्वार पर अपराध कैसे रुके और वैधानिक सत्ताधारक आचार नीति में पूरी तरह कैसे बंधे।

दहेज में तीन लाख रुपए की मांग

दहेज प्रताड़ना की शिकार दो महिलाओं ने ली पुलिस की शरण

इंदौर। अलग-अलग स्थानों पर दो महिलाओं को दहेज के लिए सताने के मामलों में पुलिस ने केस दर्ज किया है। एक महिला से दहेज में तीन लाख रुपए की मांग की गई, नहीं लाने पर प्रताड़ित किया गया।

बाणगंगा पुलिस के अनुसार किरण यादव निवासी न्यू प्रिंस नगर कुशवाह नगर के पास की शिकायत पर उसके पति राहुल यादव, सास निलम यादव, ससुर नंदकिशोर यादव, नंनद खुशबू यादव, देवर रोहित और चाचा ससुर श्याम यादव व राम यादव सभी निवासी प्रिंस नगर, बाणगंगा के खिलाफ केस दर्ज किया है। किरण ने आरोप लगाया कि पति और ससुराल वाले दहेज में 3 लाख रुपए नकदी की मांग करते हुए आए दिन प्रताड़ित करते हैं।

इसी प्रकार शिप्रा पुलिस ने वंदना पति हेमंत निवासी बरलई जागीर की शिकायत पर उसके हेमन्त पिता मुकेश के साथ ही सास रेखा, ससुर मुकेश पिता देवकरण और सौरम के खिलाफ केसद र्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपीगणों द्वारा दहेज के लिए शारिरीक एवं मानसिक रुप से प्रताडित कर अश्लील गाली गलोच कर मारपीट की एवं जान से मारने की धमकी दी।

घर में घुसकर छेड़छाड़

इंदौर। एक युवती के साथ पड़ोसियों ने घर में घुसकर छेड़छाड़ की और विरोध करने पर रिश्तेदारों ने मारपीट की है। शिप्रा थाना पुलिस के अनुसार घटना ग्राम मुंडला हुसैन की है। आरोपियों के नाम फारूख पटेल, इकबाल पटेल और मुबारिक पटेल है। दरअसल छेड़छाड़ का आरोप फारुख पटेल पर लगा है। लड़की और उसके परिवार वालों ने विरोध किया तो फारुख के भाई इकबाल और पिता मुबारिक ने घर में घुसकर मारपीट भी की है।

गायब भाई-बहन मिले

इंदौर। दो मासूम भाई बहन गायब हो गए थे। उनकी मां झाड़ू पोछा का काम करती है। वह सुबह काम पर चली गई थी। रात को लौटी तो बच्चे गायब थे। पुलिस ने मामले में अपहरण का केस दर्ज कर बच्चों की तलाश शुरू कर दी। परिजन और पुलिस उनकी तलाश में थे, इसी बीच दोनों बच्चे मिल गए। बाणगंगा पुलिस के अनुसार स्वीटी पति भरत राठौर ने अपने बेटा और बेटी उम्र 12 और 13 साल के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई। महिला ने पुलिस को बताया कि कल वह सुबह काम पर जा रही थी। बच्चे बाहर ही खेल रहे थे। उसने उन्हें घर जाने को कहा। रात को जब काम पर से लौटी तो बच्चे गायब थे। उसने हर जगह बच्चों को तलाशा जब बच्चे नहीं मिले तो पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। इसी बीच सोमवार की सुबह यह दोनों बच्चे मिल गए हैं। रात को बगीचे में जाकर सो गए थे।

छत से गिरी महिला, मौत

इंदैर। रावजी बाजार थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला की छत से गिरने से मौत हो गई। वह गिरी है या खुदकुशी की है। मामले में पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। वहीं एसिड पीने वाले एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जाता है कि उसने पत्नी से विवाद के बाद एसिड पी लिया था। मामले में पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुटी है।

पहली घटना मोतीतबेला इलाके की है। यहां रहने वाली 25 वर्षीय रिफत खान पति लखमान खान को कल रात परिवार के लोग गंभीर अवस्था में उपचार के लिए एमवाय अस्पताल लाया गया था। यहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि रिफत कल रात में करीब दस बजे घर की छत से गिर गई थी। माना जा रहा है कि उसने खुदकुशी की है। वहीं उसके असंतुलित होकर गिरने की बात भी कही जा रही है। मामले में पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही खुलासा हो सकेगा कि रिफत ने खुदकुशी की है या वह किसी हादसे का शिकार हुई है।

युवक ने एसिड पीकर दी जान

उधर, बाणगंगा थाना क्षेत्र के मरीमाता इलाके में रहने वाले लोकेंद्र पिता देशराज (46) ने गत 6 जनवरी को अपने घर में एसिड पी लिया था। उसकी तबियत बिगड़ी तो परिजन उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसकी हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने तत्काल भर्ती कर इलाज शुरू किया। कल रात को उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। बताते हैं कि पत्नी से हुए विवाद के बाद लोकेंद्र ने एसिड पी लिया था। मामले में पुलिस ने बताया कि मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। परिजनों के बयान और जांच के बाद ही सही कारणों का पता चल सकेगा।

एक लाख नकदी और जेवरात चुरा ले गई रिश्तेदार

इंदौर। परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला के घर से उसकी रिश्तेदार एक लाख रुपए नकदी और सोने-चांदी के जेवरात चुरा ले गई। रिश्तेदार ने उस समय वारदात को अंजाम दिया, जब महिला और उसका पति काम पर चले गए थे।

पुलिस के अनुसार परदेशीपुरा निवासी रानी पति राकेश माल्से ने कसरावद जिला खरगोन के ग्राम मुल्ठान निवासी अंजली उर्फ टुकटुक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। अंजली उर्फ टुकटुक रानी के दूर की रिश्तेदार है। वह रानी के घर रूकने के लिये आई थी और जब रानी एवं उसका पति काम पर चलेगये तो आरोपिया ने घर से सोने-चांदी के आभूषण व नगदी करीब 1 लाख रूपये चुरा कर ले गई। मामले में पुलिस केस दर्ज कर अंजली की तलाश कर रही है।

50 हजार नकदी और जेवरात चोरी

उधर, द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में एक मकान को चोरों ने निशाना बनाया और करीब 50 हजार रुपए नकदी व सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए। पुलिस के मुताबिक पंकज पिता बसंत पंवार निवासी विदुर नगर की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। पंकज ने पुलिस को बताया कि वारदात सोमवार को हुई। उसके सूने घर का ताला तोडकर घर के अन्दर प्रवेश कर अज्ञात बदमाश सोने की चेन व सोने का मंगलसुत्र जिसमें सोने का पेंडल छोटा जिसमें काले मोती थे व एक सोने की अंगुठी व बच्चो कि एक सोने कि चेन नगदी करीबन 50 रुपए चुरा ले गए। जब परिवार के सदस्य घर पर पहुंचे तो वारदात का पता चला। मामले में पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

बुजुर्ग महिला से सोने के जेवर की ठगी

भूखे होने का बहाना बनाया, खाने के पैसे मिले तो पानी पिलाकर बेहोश किया

इंदौर के एमजी रोड पर बदमाशों ने एक बुजुर्ग महिला और उसकी किरायेदार को अपना निशाना बनाया। आरोपियों ने पानी में नशा देकर दोनों के जेवर उतरवा लिये। मामले में पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं। पुलिस को बदमाशों के बारे में जानकारी मिली है। इस आधार पर जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की बात कही जा रही है।

एमजी रोड पुलिस के मुताबिक घटना जेल रोड स्थित विजय ब्रदर्स के पास की है। बाणगंगा इलाके के मरीमाता क्षेत्र में रहने वाली 60 साल की शारदा शर्मा अपनी किरायेदार पिंकी नामदेव के साथ नगर निगम के मार्केट में खरीदारी करने पहुंची थी। इस दौरान एक नाबालिग और उसके साथी ने बातों में लगाकर दोनों के पास से सोने का एक मंगलसूत्र, चेन और दो अंगूठी उतरवा ली। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।जांच कर रहे एएसआई शेलेन्द्र जादौन के मुताबिक अभी कैमरों के फुटेज हासिल कर रहे हैं। लेकिन हमें नाबालिग और उसके साथी के बारे में जानकारी लगी है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

भूखे होने का बनाया बहाना

किरायेदार पिंकी ने बताया कि शारदा शर्मा के परिवार में शादी है। उन्होंने स्वेटर और शॉल लेने की बात कही थी। हम दोनों मार्केट पहुंचे तो वहां एक नाबालिग मिला ओर उसने बताया कि वह काफी भूखा है। उसे देवास भी जाना है। रुपए खत्म हो गए हैं। बातों में लगाने के बाद उसे शारदा शर्मा ने दया दिखाते हुए सौ रुपए दे दिए। इसके बाद नाबालिग के साथ कुछ देर में उसका एक साथी आया ओर दोनों से पानी पीने की बात करने लगा। दोनों ने जैसे ही पानी पिया उन्हें घबराहट होने लगी। जिसमें आंखों के सामने अंधेरा छा गया। कुछ देर बाद दोनों को एक जगह पर बैठाकर चले गए। होश आया तो जेवर गायब थे।

भारत-न्यूजीलैंड क्रिकेट मैच के टिकट की कालाबाजारी करते चार गिरफ्तार

इंदौर क्राइम ब्रांच ने आठ लोगों को पकड़कर 40 टिकट जब्त किए, 900 वाला टिकट चार हजार रुपये में बेच रहे थे।

इंदौर। इंदौर में 24 जनवरी को होने वाले भारत और न्यूजीलैंड क्रिकेट मैच के टिकटों की धड़ल्ले से कालाबाजारी हो रही है। तेजाजी नगर थाना पुलिस ने चार युवकों को पकड़ा है, जो इंटरनेट मीडिया के माध्यम से टिकट ब्लैक में बेच रहे थे। इनसे 16 टिकट जब्त किए हैं। इसके पहले क्राइम ब्रांच भी आठ लोगों से 40 टिकट जब्त कर चुकी है। टिकट की कालाबाजारी करने वालों में ज्यादातर छात्र हैं, जो रुपयों के लालच में टिकट महंगे दामों पर बेच रहे हैं।

तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक, टिकट की कालाबाजारी करने वाले से एक सिपाही ने ग्राहक बनकर आनलाइन संपर्क किया। इसके बाद आरोपित शानू और उसके साथी एजाज, तुषार और विक्रम को पकड़ा। इनसे 16 टिकट बरामद किए गए।

900 की टिकट बेच रहे थे चार हजार में

अपराध शाखा के डीसीपी निमिष अग्रवाल के मुताबिक, मैच के टिकटों को लेकर लगातार खबरें मिल रही थीं।हाई कोर्ट तक याचिका दायर हो चुकी है। जानकारी मिली कि कुछ युवा इंटरनेट मीडिया के माध्यम से भारत-न्यूजीलैंड के वनडे मैच के टिकटों की बिक्री कर रहे हैं। 900 रुपये वाला टिकट चार हजार रुपये तक बिक रहा है। पुलिस ने इंस्टाग्राम के माध्यम से संपर्क कर आरोपित अंकित, अजय, अमित, रोहित और कृष्णपाल सहित आठ लोगों को पकड़ा, जिनसे 40 टिकट बरामद किए गए हैं।

सभी के विरुद्ध होगी कार्रवाई

एडीसीपी (अपराध) गुरुप्रसाद पाराशर के मुताबिक, अभी तक पकड़े गए आरोपित छात्र हैं और उन्होंने स्वयं की आइडी से ही टिकट खरीदे थे। रुपयों के लालच में उन्होंने टिकट बेचना शुरू कर दिए थे। सभी के विरुद्ध मनोरंजन कर अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

इंदौर में हिंदू लड़की को नशा करवा रहा था ओशाम खान, हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने पकड़ा

इंदौर। इंदौर में हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने रविवार रात गंगवाल बस स्टैंड से एक मुस्लिम युवक को पकड़ा। वह हिंदू लड़की को चरस पावडर जैसा नशा करवा रहा था। वह लड़की के साथ खुलेआम अश्लील हरकत कर रहा था।

जन मन गण

26 जनवरी का दिन हर वर्ष हमारे देश में गणंतत्र दिवस की रुप में मनाया जाता है। 26 जनवरी 1950 को हमारे देश का संविधान लागू किया गया था। यानी इसी दिन भारत ने अपने लिखित संविधान को अपनाया था। हमारा देश एक गणतंत्र के रुप में स्थापित हुआ था। देश को उसका लिखित संविधान मिला था। इस दिन को पूरे भारतवर्ष में खुशी और उल्लास के साथ जाता है। देश की आजादी के लिए अपनी जान न्यौछावर करने वाले सभी स्वंतत्रता सेनानियों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। इस बार भारत अपना 74वां गणतंत्र दिवस मना रहा है।

आखिर क्यों केवल 26 जनवरी को ही मनाया जाता है गणतंत्र दिवस? जानें इतिहास और महत्व

हर देशवासी प्रतिवर्ष 26 जनवरी को पूरे जोश के साथ गणतंत्र दिवस मनाता है। इस साल देश अपना 74वां गणतंत्र दिवस मनाएगा। इस खास मौके पर हर साल इंडिया गेट से लेकर राष्ट्रपति भवन तक राजपथ पर भव्य परेड भी होती है। इस परेड में भारतीय सेना, वायुसेना, नौसेना आदि की विभिन्न रेजिमेंट हिस्सा लेती हैं। शायद आपके मन में ये सवाल आता होगा कि आखिर गणतंत्र दिवस हम 26 जनवरी को ही क्यों मनाते हैं, किसी दूसरे दिन क?यों नहीं। इसके पीछे बहुत ही रोचक इतिहास है। क्या आप जानते हैं कि आजादी के पहले देश का स्वतंत्रता दिवस किसी और दिन मनाया जाता था। यहां पर हम आपके लिए गणतंत्र दिवस से जुड़ी इस तरह की कुछ रोचक बातें लेकर आए हैं।

26 जनवरी को ही क्यों लागू किया गया संविधान

26 जनवरी 1950 में इस दिन संविधान लागू किया गया था, जिसके कई कारण थे। देश स्वतंत्र होने के बाद 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने संविधान अपनाया था। वहीं, 26 जनवरी 1950 को संविधान को लोकतांत्रिक सरकार प्रणाली के साथ लागू किया गया। इस दिन भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया गया। 26 जनवरी को संविधान लागू करने का एक प्रमुख कारण यह भी है कि सन् 1930 में इसी दिन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भारत को पूरी तरह से आजादी की घोषणा की थी।

सन् 1929 को पंडित जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में इंडियन नेशनल कांग्रेस के जरिये एक सभा का आयोजन किया गया था। जिसमें आम सहमति से इस बात का ऐलान किया गया कि अंग्रेजी सरकार, भारत को 26 जनवरी 1930 तक डोमिनियन स्टेटस का दर्जा दे। इस दिन पहली बार भारत का स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था। 15 अगस्त 1947 को आजादी मिलने तक 26 जनवरी को ही स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता था। 26 जनवरी 1930 को पूर्ण स्वराज घोषित करने की तारीख को महत्व देने के लिए 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू किया गया और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस घोषित किया गया

।308 सदस्यों ने बनाया था संविधान

देश में आज जिस संविधान के अनुसार कार्य किया जा रहा है, उसका मसौदा डॉ. भारत रत्न बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने तैयार किया था जिन्हें भारतीय संविधान के वास्तुकार के रूप में जाना जाता है। कई सुधारों और बदलावों के बाद कमेटी के 308 सदस्यों ने 24 जनवरी 1950 हाथ से लिखे कानून की दो कॉपियों पर हस्ताक्षर किये, जिसके दो दिनों बाद 26 जनवरी को यह देश में लागू कर दिया गया। 26 जनवरी के महत्व को बनाए रखने के लिए उसी दिन भारत को एक लोकतांत्रिक पहचान दी गई थी। संविधान के लागू होने के बाद पहले से चले आ रहे अंग्रेजों का कानून तश1द्रह्वठ्ठद्वद्गठ्ठह्ल शद्घ ड्डठ्ठस्रद्वड्ड ष्ह्ल (1935) को भारतीय संविधान के जरिये भारतीय शासन दस्तावेज के रूप में बदल दिया गया। इसलिए हर साल हम भारतवासी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाते है।

सुबह 10.18 बजे गणतंत्र राष्ट्र बना भारत

भारत 26 जनवरी 1950 को सुबह 10 बजकर 18 मिनट पर एक गणतंत्र राष्ट्र बना। उसके ठीक 6 मिनट बाद 10 बजकर 24 मिनट पर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने भारत के पहले राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। इस दिन पहली बार डॉ. राजेन्द्र प्रसाद राष्ट्रपति के रूप में बग्गी पर बैठकर राष्ट्रपति भवन से बाहर निकले थे, जहां उन्होंने पहली बार सेना की सलामी ली थी और पहली बार उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया था। इस दिन हम भारतवासी तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान करने के साथ-साथ कई कार्यक्रमों का या तो आयोजन करते हैं या फिर उसका हिस्सा बनते हैं।

एक सप्ताह का होता है गणतंत्र दिवस कार्यक्रम

गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम आम तौर पर 24 जनवरी से राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार पाने वाले बच्चों के नाम का ऐलान करने के साथ शुरू होता है। लेकिन इस बार यह 23 जनवरी को नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती से शुरू हो गया है। वहीं 25 जनवरी की शाम राष्ट्रपति देश के नाम संबोधन देते हैं। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

इस दौरान राजपथ पर परेड निकाली जाती है। 27 जनवरी को प्रधानमंत्री परेड में शामिल हुए एनसीसी कैडेट के साथ मुलाकात करते हैं। वहीं 29 जनवरी को रायसीना हिल्स पर बीटिंग द रिट्रीट कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस दौरान तीनों सेनाओं के बैंड शानदार धुन के साथ मार्च पास्ट करते हैं। इसी के साथ गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम खत्म होता है।

18 साल तक 26 जनवरी को मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

हर देशवासी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाता है। दुनिया के सबसे बड़े गणतंत्र का जश्न मनाकर हम स्वतंत्रता आंदोलन में अपने प्राणों की आहूति देने वाले वीर क्रांतिकारियों को नमन करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आजादी से पहले 26 जनवरी को ही स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता था। करीब 18 वर्ष तक 26 जनवरी को पूर्ण स्वराज दिवस (स्वतंत्रता दिवस) मनाया जाता रहा।

शहीद स्मृति समारोह समिति के महामंत्री उदय खत्री ने बताया कि दिसंबर 1929 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर में अधिवेशन हुआ था। इस अधिवेशन की अध्यक्षता देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु ने की थी। अधिवेशन में पंडित नेहरु ने पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव रखा था। प्रस्ताव में कहा गया था कि यदि अंग्रेजी हुकूमत 26 जनवरी 1930 तक भारत को उसका प्रभुत्व (डोमिनियन का पद) नहीं देती है तो भारत खुद को स्वतंत्र घोषित कर देगा। इसलिए कांग्रेस ने 26 जनवरी को पूर्ण स्वराज दिवस (स्वतंत्रता दिवस) घोषित किया, पर जब अंग्रेजी हुकूमत ने कुछ नहीं किया तब कांग्रेस ने भारत की पूर्ण स्वतंत्रता के लिए सक्रिय आंदोलन शुरू किया।

pngtree

पठान की ताबड़तोड़ बुकिंग से दुखी बंगाली फिल्मों के मेकर्स, क्या है वजह?

शाहरुख खान की धमाकेदार फिल्म %पठान% बुधवार को रिलीज होने वाली है. फिल्म की रिलीज बहुत बड़ी होने वाली है और इसे देशभर में बहुत बड़ा स्क्रीनकाउंट मिलने वाला है. मगर इस बड़ी फिल्म के आने से कई बंगाली फिल्मों को नुकसान होने वाला है. कई बंगाली फिल्ममेकर्स अब %पठान% के बिजनेस मॉडल का विरोध कर रहे हैं.

पठान की रिलीज को अब 24 घंटे से भी कम समय बचा है. शाहरुख खान की कमबैक फिल्म देशभर में थिएटर्स को जनता से भरने की तरफ तेजी से बढ़ रही है. फिल्म की एडवांस बुकिंग के आंकड़े रिकॉर्ड बना रहे हैं. %पठान% के %बेशर्म रंग% गाने को लेकर शुरू हुए विवाद भी थमते हुए से नजर आने लगे हैं और सोशल मीडिया पर फिल्म का विरोध करने वाले भी शांत से पड़ गए हैं.

%पठान% को लेकर बना माहौल इशारा कर रहा है कि पहले वीकेंड में ही फिल्म की कमाई जोरदार होने वाली है. पूरा हिंट मिल रहा है कि रिलीज के बाद फिल्म के डिस्ट्रीब्यूटर और प्रोड्यूसर का बैंक बैलेंस अच्छी खासी स्पीड से बढ़ने वाला है. लेकिन शाहरुख की इस बड़ी फिल्म से कोलकाता के कुछ फिल्ममेकर्स बिल्कुल भी खुश नहीं हैं.

पठान से बंगाली फिल्मों को नुकसान

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण स्टारर पठान को बड़ी रिलीज मिले इसके लिए फिल्म के डिस्ट्रीब्यूटर यकीनन हर संभव कोशिश करेंगे. विदेशों में पठान 2500 से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज होने जा रही है. भारत में भी इसका स्क्रीन काउंट ज्यादा से ज्यादा हो ये कोशिश की जाएगी. ऐसे में पठान के डिस्ट्रीब्यूशन का मॉडल कोलकाता के कुछ फिल्ममेकर्स के लिए मुश्किल का कारण बन गया है.

ईटाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले हफ्ते तीन बंगाली फिल्में काबेरी अंतर्ध्यानदिलखुश और डॉक्टर बख्शी रिलीज हुई हैं. तीनों फिल्मों को क्रिटिक्स से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. लेकिन अब पठान को जगह देने के लिए इनके शोज कम हो जाएंगे जिससे तीनों फिल्मों को बड़ा नुकसान पहुंचेगा.

सिंगल स्क्रीन के लिए पठान दिखाने का नियम

रिपोर्ट में बताया गया है कि पठान के डिस्ट्रीब्यूटर्स ने सिंगल स्क्रीन के लिए एक नियम रखा है. अगर सिंगल स्क्रीन थिएटर्स को पठान दिखानी है तो उन्हें दिन के सारे शो शाहरुख की फिल्म को देने होंगे. काबेरी अंतर्ध्यान बनाने वाले कौशिक गांगुली ने कहा कि सिंगल स्क्रीन थिएटर्स के मालिकों पर जो दबाव हैं उसे वो समझते हैं इसलिए उनसे कोई शिकायत नहीं है. लेकिन इस तरह की बिजनेस पॉलिसी को बदले जाने की जरूरत है.

गांगुली ने बताया, हमें वेस्ट बंगाल में एक प्रॉपर फिल्म पॉलिसी की जरूरत है. मुझे पता है कि काबेरी अंतर्ध्यान दूसरी बंगाली फिल्मों की तरह सफर करेगी. सिंगल स्क्रीन मालिकों को कह दिया गया है कि अगर उन्हें पठान चलानी है, तो कोई और फिल्म नहीं चल सकती. बंगाली इंडस्ट्री सालों से इस मुद्दे पर चुप रही लेकिन अब हमें स्टैंड लेना होगा. 40-50 हॉल्स में अच्छा

बिजनेस कर रही बंगाली फिल्म अगर अपने ही राज्य में इस तरह का बुरा ट्रीटमेंट झेलेगी, तो हमें मानना पड़ेगा कि कुछ तो समस्या है. उन्होंने आगे कहा कि बंगाली फिल्मों को प्राइम टाइम पर कम से कम 50 प्रतिशत शोज मिलने चाहिए और जरूरत पड़ने पर सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए.

पठान के डिस्ट्रीब्यूशन हाउस का कहना है कि हिंदी फिल्मों के लिए ये बिजनेस मॉडल नया नहीं है और सालों से चल रहा है. जबकि बंगाली फिल्ममेकर्स का ये भी कहना है कि ये एक बिजनेस डिसीजन है और ऐसा नहीं है कि हिंदी फिल्मों के डिस्ट्रीब्यूटर, बंगाली सिनेमा को नुकसान पहुंचाने के लिए ऐसा करते हैं.

इस बीच नविना, सार थिएटर और अशोका जैसे कई ऐसे सिंगल स्क्रीन भी हैं जिन्होंने पठान की जगह बंगाली फिल्में चलाने का फैसला किया है. अशोका के मालिक प्रबिर रॉय ने कहा, हां, मैं शाहरुख खान की फिल्म चलाना चाहता था. लेकिन वो (पठान के डिस्ट्रीब्यूटर) दूसरी बंगाली फिल्मों के साथ नेगोशिएट करने को तैयार ही नहीं हैं. इसलिए मैंने उन्हें मना कर दिया.

RRR को इस कैटेगरी में नॉमिनेशन मिलने का चांस, छेलो शो का भी होगा इंतजार

दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित सिनेमा अवार्ड्स, ऑस्कर्स के लिए फाइनल नॉमिनेशन अनाउंस होने का दिन आ गया है. भारत की तरफ से जहां ऑफिशियल एंट्री गुजरती फिल्म छेलो शो है, वहीं ऋऋभी ऑस्कर की रेस में जोर शोर से दौड़ रही है. आइए बताते हैं नॉमिनेशन अनाउंसमेंट की डिटेल्स और ऋऋका कितना है चांस.

इंडियन सिनेमा के फैन्स के लिए आज बहुत बड़ा दिन है. 95वें ऑस्कर अवार्ड्स के लिए आज फाइनल नॉमिनेशन अनाउंस होने हैं. भारत की तरफ से ऑफिशियल एंट्री छेलो शो (द लास्ट फिल्म शो) टॉप 15 में शॉर्टलिस्ट हो चुकी है और आज फैन्स को इंतजार होगा कि ये फाइनल नॉमिनेशन में भी जगह बनाए. दूसरी तरफ भारत से जिस एक फिल्म ने ऑस्कर कैम्पेन के लिए खूब माहौल बनाया है, वो है एसएस राजामौली की ऋऋऋ इंडिया की ऑफिशियल एंट्री बनने से चूकी ऋऋऋ के मेकर्स ने खुद अपनी फिल्म के लिए कैम्पेन किया है. दुनिया भर के तमाम क्रिटिक्स और फिल्ममेकर्स ने ऋऋऋ की खुलकर जोरदार तारीफ़ की है.

RRR 14 कैटेगरी में ऑस्कर अवार्ड्स के लिए दौड़ में शामिल हुई थी. मंगलवार को ऑस्कर अवार्ड्स के लिए फाइनल नॉमिनेशन अनाउंस होने के बाद ये तय हो जाएगा कि राजामौली की फिल्म किन कैटेगरी में अवार्ड जीतने के करीब पहुंचेगी. मगर इससे पहले एक बार ये जान लेते हैं कि किस कैटेगरी में ऋऋऋ को नॉमिनेशन मिलने का चांस ज्यादा है.

बेस्ट पिक्चर

एक फिल्म के लिए सबसे अल्टीमेट ऑस्कर अवार्ड %बेस्ट पिक्चर% का होता है. इस कैटेगरी में The Banshees of Inisherin, TAR, Everything Everywhere All at Once, The Fabelmans, Elvis, Avatar: The Way of Water, Top Gun: Maverick ¥õÚU The Whale जैसी फिल्में हैं. इनमें से कई फिल्में इस साल के अवार्ड सीजन की फेवरेट रही हैं और लगातार बड़े इंटरनेशनल अवार्ड्स जीतती आ रही हैं.

दुनिया भर में जिस तरह की तारीफ इन फिल्मों को मिली है, उसे देखते हुए मुश्किल ही लगता है कि ऋऋऋ को यहां फाइनल 10 नॉमिनेशन में जगह मिल पाएगी. वर्ल्ड सिनेमा के सबसे बड़े डायरेक्टर्स में से एक स्टीवन स्पीलबर्ग की The Fabelmans Everything Everywhere All at Once (EEAAO) का चांस इस कैटेगरी में ऑस्कर जीतने के लिए सबसे आगे माना जा रहा है.

बेस्ट डायरेक्टर/ बेस्ट एक्टर

दो बार बेस्ट डायरेक्टर का ऑस्कर अवार्ड जीत चुके Steven Spielberg का नाम इस बार भी रेस में बहुत आगे है. उनके अलावा Dan Kwan ¥õÚU Daniel Scheinert (EEAAO) और Martin McDonagh का नाम भी बहुत चर्चा में है. इस कैटेगरी में ऋऋऋ के लिए राजामौली को नॉमिनेशन मिलना काफी मुश्किल है. इसी तरह ऋऋऋ के दोनों लीड एक्टर्स जूनियर एनटीआर और राम चरण को भी बेस्ट एक्टर कैटेगरी में नॉमिनेशन मिलना मुश्किल है.

बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग

ऋऋऋ के लिए जो भी बड़े इंटरनेशनल अवार्ड्स आए हैं, उनमें सबसे ज्यादा इस फिल्म के गाने नाटू नाटू को मिले हैं.बेस्ट ओरिजिनल सॉंग की कैटेगरी में एमएम कीरावानी का कम्पोज किया ये गाना बाकी सबसे बहुत आगे माना जा रहा है. गाने को सिर्फ नॉमिनेशन ही नहीं, बल्कि ऑस्कर में जीत के लिए भी बहुत मजबूत दावेदार माना जा रहा है. और इस कैटेगरी में भारत एक ऑस्कर आने की उम्मीद कर सकता है.

कब और कहां देख सकते हैं ऑस्कर अनाउंसमेंट?

ऑस्कर के लिए फाइनल अनाउंसमेंट मंगलवार को अनाउंस होंगे. भारत में ये शाम 7 बजे शुरू होंगे. नॉमिनेशन अनाउंसमेंट को Oscar.com, Oscars.org और ऑस्कर के ऑफिशियल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे यूट्यूब, फेसबुक ट्विटर वगैरह पर देखा जा सकता है.

ऋऋऋ और छेलो शो के अलावा भारत की डाक्यूमेंट्री फीचर All That Breathes और शॉर्ट डाक्यूमेंट्री The Elephant Whisperers का भविष्य भी आज तय होना है. इन दोनों में से किसी को भी अगर ऑस्कर नॉमिनेशन मिलता है, तो इंडियन सिनेमा फैन्स का मजा दोगुना हो जाएगा.

हिटमैन रोहित शर्मा ने वनडे क्रिकेट में बनाया ये महारिकॉर्ड, सचिन-विराट और धोनी भी नहीं कर पाए ये कारनामा

टीम इंडिया के कप्तान हिटमैन रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ इंदौर में तीसरे वनडे मैच के दौरान वनडे क्रिकेट में एक ऐसा महारिकॉर्ड बना दिया है, जिसे आज तक महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी भी अपने नाम नहीं कर पाए हैं.

टीम इंडिया के कप्तान हिटमैन रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ इंदौर में तीसरे वनडे मैच के दौरान वनडे क्रिकेट में एक ऐसा महारिकॉर्ड बना दिया है, जिसे आज तक महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी भी अपने नाम नहीं कर पाए हैं. रोहित शर्मा ये महारिकॉर्ड बनाने वाले भारत के पहले और दुनिया के तीसरे बल्लेबाज हैं. टीम इंडिया के कप्तान हिटमैन रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ इंदौर में अपने वनडे इंटरनेशनल करियर का 30वां शतक ठोक दिया है. रोहित शर्मा ने इस दौरान 6 छक्के और 9 चौके जमा दिए हैं. इसी के साथ ही %हिटमैन% रोहित शर्मा ने अपने नाम एक बड़ा महारिकॉर्ड कर लिया है.

हिटमैन रोहित शर्मा ने वनडे क्रिकेट में बनाया ये महारिकॉर्ड

हिटमैन रोहित शर्मा वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले भारत के पहले और दुनिया के तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं. इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में रोहित शर्मा ने 4 छक्के जड़ते ही ये बड़ा महारिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में रोहित शर्मा ने 85 गेंदों पर 101 रनों की पारी खेली, जिसमें 6 छक्के और 9 चौके शामिल रहे. रोहित शर्मा के नाम अब वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में 273 छक्के हो गए हैं और वह इसी के साथ ही वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले भारत के पहले और दुनिया के तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं.

सचिन-विराट और धोनी भी नहीं कर पाए ये कारनामा

वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में सर्वाधिक 351 छक्के जड़ने का वर्ल्ड रिकॉर्ड पाकिस्तान के पूर्व विस्फोटक ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी के नाम है. शाहिद अफरीदी के बाद दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के धुरंधर बल्लेबाज क्रिस गेल का नाम आता है. क्रिस गेल ने वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में 331 छक्के लगाए हैं. क्रिस गेल के बाद रोहित शर्मा 273 छक्कों के साथ तीसरे नंबर पर आते हैं. रोहित शर्मा जैसा महारिकॉर्ड आज तक महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी भी अपने नाम नहीं कर पाए हैं.

शुभमन गिल ने वनडे क्रिकेट में बना दिया ये महारिकॉर्ड, बाबर आजम और पाकिस्तान के पसीने छूट गए....

टीम इंडिया के स्टार ओपनिंग बल्लेबाज शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ इंदौर में तीसरे वनडे मैच में अपने वनडे करियर का चौथा शतक ठोकते हुए 78 गेंदों पर 112 रन ठोक दिए. शुभमन गिल के विस्फोट के सामने पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज और कप्तान बाबर आजम का एक महारिकॉर्ड बाल-बाल बच गया. शुभमन गिल ने अपने शतक से पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज बाबर आजम और पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पसीने छुड़ा दिए हैं.

टीम इंडिया के स्टार ओपनिंग बल्लेबाज शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ इंदौर में तीसरे वनडे मैच में अपने वनडे करियर का चौथा शतक ठोकते हुए 78 गेंदों पर 112 रन ठोक दिए. शुभमन गिल के विस्फोट के सामने पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज और कप्तान बाबर आजम का एक महारिकॉर्ड बाल-बाल बच गया. शुभमन गिल ने अपने शतक से पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज बाबर आजम और पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पसीने छुड़ा दिए हैं.

शुभमन गिल ने वनडे क्रिकेट में बना दिया ये महारिकॉर्ड

शुभमन गिल ने मंगलवार को होल्कर क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच में अपना चौथा वनडे शतक लगाया और पाकिस्तान के बाबर आजम के 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ स्थापित एक रिकॉर्ड की बराबरी की. शुभमन गिल ने केवल 78 गेंदों पर 112 रन बनाकर सीरीज का अपना दूसरा शतक पूरा किया. इससे पहले, हैदराबाद में सीरीज के सलामी बल्लेबाज 208 रन बनाकर वनडे में दोहरा शतक बनाने वाले पांचवें भारतीय बल्लेबाज बन गए थे.

बाबर आजम और पाकिस्तान के पसीने छूट गए

नई पारी के साथ, गिल ने सीरीज के दूसरे वनडे में 40 रन बनाकर द्विपक्षीय सीरीज में अपने रनों की संख्या 360 तक ले गए. रनों की संख्या किसी भी बल्लेबाज द्वारा तीन मैचों या उससे कम की द्विपक्षीय वनडे सीरीज में संयुक्त रूप से सबसे अधिक रिकॉर्ड है. 2016 में, बाबर आजम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के दौरान 360 रन ही बनाए थे, जिसमें तीन मैचों में तीन शतक मारे थे. इस पारी के माध्यम से गिल इस मामले में चार वनडे शतक पूरे करने वाले सबसे तेज भारतीय भी बन गए. उन्होंने यह कारनामा अपनी 21वीं वनडे पारी में

ही किया था. शिखर धवन ने पहले चार वनडे शतकों के लिए 24 पारियों में यह रिकॉर्ड बनाया था, जबकि विराट कोहली ने अपने पहले चार वनडे शतकों के लिए 33 पारियां ली थीं.

रामचरित मानस सहित गीता और महाभारत के प्रसंगों को शालेय पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा - मुख्यमंत्री श्री चौहान

ये ग्रंथ हमारे पाथेय और मार्गदर्शक

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सुघोष दर्शन कार्यक्रम को संबोधित किया

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर 1500 विद्यार्थियों ने दी प्रस्तुति

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि रामचरितमानस जैसे ग्रंथ हमारे पाथेय और मार्गदर्शक हैं। रामचरित मानस सहित गीता और महाभारत के प्रसंगों को शालेय पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। यह प्रसंग नैतिक शिक्षा और आध्यात्म की शिक्षा में सहायक होंगे। ज्ञान का सर्वश्रेष्ठ प्रकटीकरण अपनी मातृभाषा में होता है। अंग्रेजी के आधिपत्य को समाप्त कर मातृभाषा में शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार हरसंभव प्रयास करेगी। इसी दिशा में मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिन्दी में कराने की पहल की गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर विद्या भारती मध्यभारत प्रांत, सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश के सुघोष दर्शन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और कार्यक्रम स्थल पर माँ सरस्वती के चित्र और ॐ की आकृति पर माल्यार्पण किया।

भोपाल के ओल्ड कैम्पियन क्रिकेट ग्राउण्ड में आयोजित कार्यक्रम में अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोविंद चंद्र महंत, सेवानिवृत्त मेजर जनरल श्री टी.पी.एस. रावत ने भी अपने विचार व्यक्त किए। विद्या भारती मध्यभारत के अध्यक्ष श्री बनवारी लाल सक्सेना भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में 16 जिलों के 75 विद्यालयों के 1500 से अधिक विद्यार्थी, आचार्य, शिक्षकगण सम्मिलित हुए। आजादी के अमृत महोत्सव पर मध्यभारत प्रांत की 75 घोष इकाइयों के विद्यार्थियों द्वारा बंशी वादन, शंख वादन, साइड ड्रम, बॉस ड्रम सहित अन्य वाद्य यंत्रों का वादन करते हुए ॐ, स्वास्तिक चिन्ह, सुघोष 2023 तथा 75 के अंक की आकृति का निर्माण किया गया।

तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा के वाक्य ने पूरे देश में ऊर्जा का संचार किया

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि हजारों क्रांतिकारियों के कड़े संघर्ष और बलिदान के परिणामस्वरूप हमें स्तवंत्रता प्राप्त हुई। आजादी के बाद लम्बे समय तक कई क्रांतिकारियों का उल्लेख तक नहीं किया गया। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का अंग्रेजों से मुक्ति में महत्वपूर्ण योगदान रहा। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा के उनके वाक्य ने पूरे देश में ऊर्जा का संचार किया। उनके नेतृत्व में ही आजाद हिन्द फौज ने सबसे पहले देश का ध्वज फहराया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा स्थापित कर उनके योगदान का ऋण उतारने का प्रयास किया है।

सुघोष दर्शन कार्यक्रम विद्यार्थियों की शारीरिक क्षमता और संगठन क्षमता बढ़ाने में सहायक

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भारत अत्यंत प्राचीन और महान राष्ट्र है। यहाँ की परम्पराओं को अक्षुण्ण रखने के लिए विद्या भारती द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भारत प्राचीन काल से ही विश्वगुरू रहा है। शिक्षा के तीन उद्देश्य हैं ज्ञान अर्जित करना, कौशल विकास और नागरिकता के संस्कार विकसित करने की दिशा में विद्या भारती द्वारा संचालित गतिविधियों से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा के प्रकटीकरण के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। सुघोष दर्शन जैसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों की शारीरिक क्षमता में वृद्धि के साथ सामूहिक रूप से कार्य करने की प्रवृत्ति में वृद्धि कर संगठन क्षमता बढ़ाने में सहायक है।

नेताजी की कार्यशैली देशभक्ति, अनुशासन, उत्साह, प्रतिभा और शौर्य का संगम

विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोविंद चंद्र महंत ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जीवन और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नेताजी सतत् रूप से देशभक्ति की भावना के संचार के सूत्र रहे हैं। उनकी कार्यशैली में अनुशासन, उत्साह, प्रतिभा और शौर्य का संगम दिखाई देता है। देश में आजादी के अमृतमहोत्सव को अवसर मान कर श्रेष्ठ भारत के निर्माण के लिए गतिविधियाँ जारी हैं। विद्या भारती द्वारा भी विद्यालयों में संस्कारित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अनेक प्रयोग किए जा रहे हैं।

सीखने की इच्छा और कोशिश को जीवन में लगातार बनाए रखना आवश्यक

सेवानिवृत्त मेजर जनरल श्री टी.पी.एस. रावत ने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के योगदान के बिना भारत की स्वतंत्रता संभव नहीं थी। चीन के साथ भारत के 1962 में हुए युद्ध के प्रसंग का उल्लेख करते हुए मेजर जनरल रावत ने कहा कि सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए साहस और दृढ़ता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपने नाम अर्थात् अपनी पहचान, नमक अर्थात् अपनी मातृभूमि और निशान अर्थात् अपने समुदाय, संगठन, देश को सर्वाधिक महत्व देते हुए सर्वोच्च बलिदान के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि सीखने की इच्छा और कोशिश को जीवन में लगातार बना कर रखना आवश्यक है। गलती करने के डर से किसी कार्य का प्रयास ही नहीं करना या कार्य को टालना अपने व्यक्तित्व के लिए उचित नहीं है।

घोष संचलन में अग्रसर हुए विद्यार्थी

सुघोष दर्शन कार्यक्रम में श्री मधुर शर्मा द्वारा देश प्रेम और नैतिक मूल्यों पर केन्द्रित गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दूसरे भाग में विद्यार्थी आयोजन स्थल से घोष संचलन करते हुए शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय के सामने स्थित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

प्रदेश के सभी 64 हजार 100 मतदान केंद्र पर मनाया जाएगा 13वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस

कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कंवेंशन सेंटर में राज्यपाल श्री पटेल के मुख्य आतिथ्य में होगा राज्य-स्तरीय कार्यक्रम

प्रदेश के सभी 64 हजार 100 मतदान केंद्र पर 25 जनवरी को 13वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री अनुपम राजन ने बताया कि राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के मुख्य आतिथ्य में भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कंवेंशन सेंटर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम दोपहर 12.30 बजे से शुरू होगा। 13वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर प्रदेश के सभी 52 जिलों में कार्यक्रम होंगे। साथ ही प्रदेश के सभी शैक्षणिक संस्थाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों और शासकीय कार्यालयों में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों को मतदाता शपथ दिलाई जाएगी।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को किया जाएगा सम्मानित

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राज्य-स्तरीय कार्यक्रम में राज्यपाल श्री पटेल द्वारा निर्वाचन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, निर्वाचक पर्यवेक्षक और बूथ लेवल अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

यह अधिकारी होंगे सम्मानित

श्री राघवेंद्र सिंह कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अलीराजपुर, श्री उमाशंकर भार्गव कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विदिशा, श्री चंद्रमोहन ठाकुर, तत्कालीन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सीहोर, श्री प्रवीण सिंह अढ़ायच, तत्कालीन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बुरहानपुर, श्री रत्नाकर झा, तत्कालीन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डिंडोरी, श्री तरूण भटनागर, तत्कालीन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी निवाड़ी, श्री सीएल चनाप, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अलीराजपुर, श्रीमती वंदना राजपूत सीहोर, श्रीमती अमृता गर्ग विदिशा, श्री शैलेंद्र सिंह सोलंकी उप जिला निर्वाचन अधिकारी बुरहानपुर, श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा तत्कालीन उप जिला निर्वाचन अधिकारी डिंडोरी, श्री एसके अहिरवार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी निवाड़ी, श्री नितिन टाले, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नर्मदापुरम, सुश्री ज्योति शर्मा तत्कालीन निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बुरहानपुर, श्री दीपक चौहान, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बुरहानपुर, श्री विजय राय निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विदिशा, श्री अमन मिश्रा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सीहोर, सुश्री लक्ष्मी गामड़ निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अलीराजपुर, श्री विजय त्रिपाठी, निर्वाचक पर्यवेक्षक सिंगरौली, श्री कैलाश दुबे, निर्वाचक पर्यवेक्षक नर्मदापुरम, श्री संजय खरे, निर्वाचक पर्यवेक्षक शहडोल, श्री राम विलाश मेहरा, बूथ लेवल ऑफिसर जिला अनूपपुर, , श्री भवानी सिंह गहलोद, बूथ लेवल ऑफिसर जिला सिवनी, श्री विनोद अस्टया बूथ लेवल ऑफिसर जिला दतिया, श्रीमती ज्योति पवार आँगनवाड़ी कार्यकर्ता जिला बुरहानपुर, श्री विनोद कुमार पटेल जिला सतना, श्री लखन सिंह किरार जिला मुरैना, श्रीमती लक्ष्मी सिरसट जिला आगर सहित अन्य संभागों से निर्वाचन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित किया जाएगा।

दुर्लभ चित्रों की लगाई जाएगी प्रदर्शनी

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम में वर्ष 1951-52 में हुए प्रथम आम चुनाव से लेकर वर्ष 2018-2019 में हुए निर्वाचनों में मतदाताओं एवं निर्वाचन प्रक्रिया में प्रयुक्त विभिन्न सामग्री के दुर्लभ चित्रों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

राष्ट्रीय स्तर पर हुई स्पर्धा में मध्यप्रदेश के 7 प्रतिभागी बनें विजेता

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा स्वीप गतिविधि के तहत राष्ट्रीय स्तर पर मतदाता जागरूकता को लेकर प्रतियोगिता कराई गई थी। निबंध, स्लोगन, गीत, पोस्टर सहित अन्य प्रतियोगिताएँ हुई थीं। देशभर में मध्यप्रदेश के 7 प्रतिभागी विजेता बने। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर भोपाल में राज्य-स्तरीय कार्यक्रम में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल द्वारा विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र के साथ अवार्ड के रूप नकद राशि प्रदान की जाएगी। विजेता बनने वालों में गीत में श्री सुरवेंद्र कुमार तिवारी 15000 रूपये, वीडियो में श्री कार्तिक त्रिवेदी को 30000 रूपये, पोस्टर मेकिंग में श्री विश्वास कुमार सोनी को 20000 रूपये, गीत में सुश्री अवनि वर्मा को 3000 रूपये, स्लोगन में श्री ललित भाटी, श्री पवन पंसारी और सुश्री आरती दुबे को क्रमशः 2000, 2000 रूपये की अवार्ड राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 13वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस इस बार वोट जैसा कुछ नहीं, **वोट जरूर डालेंगे हम** थीम पर मनाया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर **मैं भारत हूँ** गीत का शुभारंभ किया जाएगा। मतदाताओं को दी जाने वाली सुविधाएँ, मतदान केंद्र पर मिलने वाली न्यूनतम सुविधाओं सहित मतदाताओं को डाक मतपत्र, ईवीएम वीवीपैट, वोटर हेल्पलाइन एप और नैतिक मतदान के बारे में कार्यक्रम में जानकारी दी जाएगी।

सीवरेज लाइन डालने के दौरान मिट्टी धंसी मलबे से निकालते समय एक मजदूर की गर्दन पर चोट से मौत, एक मजदूर घायल

इंदौर में नगर निगम के काम के दौरान सीवरेज की लाइन डालने के दौरान सोमवार दोपहर अचानक मिट्?टी धंस गई। इस हादसे में तीन मजदूर 25 फी गहरे गड्?ढे अंदर दब गए। इस हादसे में एक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो घायल हुए हैं। हादसे के बाद स्थानीय पुलिस और नगर निगम के अन्य कर्मचारी मदद में जुट गए। जहां मिट्?टी के नीचे दबे मजदूर को निकालने में उसकी गर्दन अलग होकर लटक गई। पुलिस लापरवाही के मामले को लेकर जांच कर रही है। दोनों घायल मजदूरों को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं।

एडिशनल डीसीपी राजेश रघुवंशी के मुताबिक घटना छोटी ग्वालटोली इलाके की है। यहां निजी कंपनी द्वारा सीवरेज लाईन का काम किया जा रहा था। जहां 25 फीट गहरा गड्?ढा ठेकेदार द्वारा खोदा गया था। यहां तीन मजदूर इस गड्?ढे में मिट्?टी हटाकर पाइप डालने का काम कर रहे थे। इस दौरान अचानक से चट्टान सहित मिट्?टी मजदूरों के ऊपर आकर गिरी। जिसमें दो मजदूर मिट्?टी में दब गए।

एक की मौत, दूसरा घायल

पुलिस के मुताबिक इस घटना में एक मजदूर दिलान पटेल (35) निवासी शंकरबाग की मौत हो गई। जबकि उसका साथी पप्पू उर्फ दिनेश पुत्र सोमलाय निवासी झाबुआ को सिर और हाथ पैर में गंभीर चोट आई है। उसे उपचार के लिये आईसीयू में भर्ती किया गया है।

पोकलेन से हुआ सिर धड़ से अलग

एडिशनल डीसीपी राजेश रघुवंशी के मुताबिक मजदूरों के दबने के दौरान अंदर काफी मिट्?टी उनके ऊपर गिर गई थी। जिसमें पोकलेन से मिट्?टी हटाने का काम किया जा रहा था। इस दौरान जोर से पोकलेन का पंजा लगने से दिलान पटेल के शव की गर्दन शरीर से अलग होकर लटक गई।

महापौर ने कहा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे

उक्त घटनाक्रम की जानकारी महापौर पुष्यमित्र भार्गव को मिलने पर जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा को तत्काल घटना स्थल पर भेजा।

घटना की जांच के आदेश जारी किए गए हैं। उक्त घटनाक्रम में महापौर ने जांच में दोषी जाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिये गये। मधुमिलन चैराहे के पास सीवर चेम्बर निर्माण का कार्य मेसर्स अमेय इंटरप्राइजेस द्वारा किया जा रहा था।

MP में विधायकों का वेतन 40 हजार रुपए बढ़ेगा 1.50 लाख रुपए हो जाएगा; 50 साल में 550त तक बढ़ चुका

मध्यप्रदेश में 7 साल बाद विधायकों के वेतन-भत्ते बढ़ने जा रहे हैं। अभी उन्हें हर महीने 1 लाख 10 हजार रुपए वेतन मिलता है, जो 40 हजार रुपए बढ़ने वाला है। इससे वेतन 1.50 लाख रुपए महीना हो जाएगा। वेतन-भत्ते बढ़ाने के लिए सरकार ने अन्य राज्यों से जानकारी बुलाई है। इसके बाद वेतन-भत्तों व पेंशन पुनरीक्षण के लिए गठित समिति इस पर फैसला करेगी।

समिति में वित्त मंत्री और संसदीय कार्यमंत्री सदस्य हैं। बता दें कि गुजरात, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में विधायकों के वेतन-भत्ते मप्र से ज्यादा हैं। इससे पहले मप्र विधायकों का वेतन साल 2016 में बढ़ा था। प्रदेश में 1972 से विधायकों को वेतन-भत्ते दिए जा रहे हैं। तब उन्हें 200 रुपए मासिक वेतन मिलता था। अभी 1.10 लाख रुपए है। यानी बीते 50 साल में इनका वेतन 550त बढ़ चुका है।

ऐसा रहता है विधायक का वेतन-भत्ता
वेतन 30 हजार रुपए
निर्वाचन भत्ता 35 हजार रुपए
टेलीफोन खर्च 10 हजार रुपए
चिकित्सा भत्ता 10 हजार रुपए
अर्दली भत्ता 10 हजार रुपए
सामग्री खरीदी 10 हजार रुपए
अन्य 05 हजार रुपए
सीएम को 2 लाख तो कैबिनेट मंत्रियों को मिलते हैं 1.70 लाख रुपए

प्रदेश में 230 विधायकों में से 31 मंत्री है। मंत्रियों को वेतन सामान्य प्रशासन विभाग देता है। मुख्यमंत्री को 2 लाख रुपए तो कैबिनेट मंत्रियों को 1.70 लाख व राज्य मंत्रियों को 1.45 लाख रुपए मिल रहे हैं।

शेष 199 विधायकों का वेतन भुगतान विधानसभा से होता है। इनमें विधानसभा अध्यक्ष का 1 लाख 87 हजार रुपए वेतन शामिल है।

कुल वेतन में हर महीने 2 करोड़ 14 लाख रु. का खर्च आ रहा है। प्रस्तावित बढ़ोतरी के बाद 1 करोड़ रु. हर महीने अतिरिक्त भार आएगा।

धार निकाय चुनाव

सीएम के रोड शो और मंत्रियों की सभाओं के बाद भी, धार जिले में 9 में से 6 पर कांग्रेस का कब्जा

प्रदेश के 19 निकायों में 11 पर भाजपा तो 8 पर कांग्रेस जीती

विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश के 19 निकायों में नगर निगम, नगर पालिका और परिषद के चुनाव हुए। इनमें से 11 पर भाजपा, 8 पर कांग्रेस ने कब्जा जमाया है। धार जिले के 9 निकायों में से सिर्फ धार, मनावर और डही में ही भाजपा जीती, वहीं अन्य 6 पर कांग्रेस ने जीत का परचम लहराया। धार जिले में जहां मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान से लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा सहित कई मंत्रियों ने रोड शो, सभाएं और बैठकें लीं।

वहां भाजपा 9 में से सिर्फ 3 सीटें ही जीत पाई। वहीं कांग्रेस की ओर से स्थानीय नेताओं ने ही चुनाव की कमान संभाली थी। कांग्रेस ने कुक्षी, पीथमपुर, सरदारपुर, राजगढ़, धामनोद और धरमपुरी में जीत हासिल की है। कुक्षी के 15 में से 8 वार्डों पर कांग्रेस ने कब्जा जमाया। इसके अलावा धरमपुरी, राजगढ़ और सरदारपुर में कांग्रेस ने 9-9 वार्डों में जीत दर्ज की। धार-बड़वानी जिलों के 8 निकायों में इस बार फेरबदल हुआ है, जहां कांग्रेस की जगह भाजपा और भाजपा की परिषद की जगह कांग्रेस ने कब्जा जमाया है।

धार में दो दिन पहले ही बदला जिलाध्यक्ष

इंदौर संभाग की बात करें तो धार में सबसे ज्यादा निकायों के चुनाव थे। यहां भाजपा दो बड़े निकायों पर सिमट गई, वहीं बड़वानी में बड़वानी, अंजड़, राजपुर तो खंडवा में ओंकारेश्वर में भाजपा ने जीत हासिल की। निमाड़ के परिणाम भाजपा के लिए फायदेमंद हैं, वहीं धार में जिस तरह से कांग्रेस ने कई निकाय जीते हैं, इसका असर विधानसभा चुनाव पर हो सकता है। धार में कांग्रेस ने दो दिन पहले ही जिलाध्यक्ष बदला है और पुराने नेता कमल किशोर पाटीदार को अध्यक्ष बनाया है।

दो पहिया वाहन से कर रहे थे अवैध शराब का परिवहन, दो गिरफ्तार

इंदौर । आबकारी विभाग की तमाम सख्ती के बाद भी इंदौर में अवैध शराब का परिवहन नहीं रुक रहा है। शहर में चोरी छिपे शराब का परिवहन होने की सूचना पर आबकारी की टीम ने रविवार रात को अभियान चलाया। इसमें देर रात दो पहिया वाहन पर शराब का परिवहन करने वालों को पकड़ा। दो मामलों में देशी और विदेशी शराब जब्त की गई।

आबकारी विभाग की टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर इंदौर के गीता भवन चौराहे के पास बाइक एमपी 09 वीएफ 6384 को रोका। आबकारी दल को देखकर बाइक चालक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन स्टाफ की सजगता व तत्परता से बाइक चालक अजय पिता दिलीप सिंह निवासी धमनई को पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर बाइक चालक के पास एक बैग मिला, जिसमें विदेशी शराब की 12 बोतल, कुल नौ बल्क लीटर शराब बरामद हुई। आरोपित को गिरफ्तार कर मप्र आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) क का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)